

  
**भारत का राजपत्र**  
**The Gazette of India**

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

अं. 409] नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 19, 1992/आश्विन 27, 1914  
No. 409] NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 19, 1992/ASVINA 27, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

विल मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)  
अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1992

सा वा नि 813 (अ) - राष्ट्रपति भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समझौता आयोग (आय-कर/धन-कर) (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें) नियम, 1977 का और सहायन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् -

1. (1) इस नियमों का संक्षिप्त नाम समझौता आयोग (आय-कर/धन-कर) (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें) सहायन नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 समझौता आयोग (आय-कर/धन-कर) (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें) नियम, 1977 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में -

(क) विद्यमान नियम 6 को उस नियम के उपनियम (1) के रूप में पुन संख्यांकित किया जाएगा,

(ख) इस प्रकार पुन संख्यांकित उपनियम (1) के पश्चात् निम्न-लिखित उपनियम अंतर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात् -

“(2) उपनियम (1) में किसी बात के होने हुए भी समझौता आयोग (आय-कर/धन-कर) (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें) सहायन नियम, 1992 के प्रा.म.के.पश्चात् अध्यक्ष या उपाध्यक्ष या सदस्य के रूप में नियुक्त व्यक्ति आयोग के एक या अधिक पदा पर अधिकतम 5 वर्ष की अवधि तक या 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक जो भी पूर्वतः हो पार धारण करेगा”।

3 (क) विद्यमान नियम 6-क को उस नियम के उपनियम (1) के रूप में पुन संख्यांकित किया जाएगा

(ख) इस प्रकार पुन संख्यांकित उप नियम (1) के पश्चात् निम्न-लिखित उपनियम अंतर्स्थापित किया जाएगा अर्थात् -

“(2) उपनियम (1) में किसी बात के होने हुए भी समझौता आयोग (आय-कर/धन-कर) (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें) सहायन नियम, 1992 के प्रा.म.के.पश्चात् अध्यक्ष या उपाध्यक्ष या सदस्य के रूप में नियुक्त व्यक्ति अभिशप्त अधिकारी नियम (भारत), 1962 के अखीन अधिवापों संबंधी विधि खाते में ऐसी शर्तों

के अधीन रहते हुए अभिदाय करने का हकदार होगा जो केन्द्रीय सरकार के पुनर्नियोजित सेवकों को लागू होती है।

4 उक्त नियमों में नियम 6-क के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तर्गत में स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् —

“6ख अध्यक्ष या उपाध्यक्ष या सदस्य के रूप में नियुक्ति पर मूल सेवा से सेवानिवृत्त

(1) जहाँ समझौता आयोग (आय-कर/धन-कर) (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें) सशोधन नियम, 1992 के प्रारम्भ के पश्चात् अध्यक्ष या उपाध्यक्ष या सदस्य जो आयोग में आना नियुक्ति की तारीख को केन्द्रीय सरकार के अधीन सेवा में था नव प्रारो में अपनी पद ग्रहण करने से पूर्व ऐसी सेवा में पेशान्वृत्ति प्राप्त करेगा और आयोग में अपनी पद ग्रहण करने की तारीख को इस प्रकार सेवानिवृत्त हुआ समझा जाएगा।

(2) ऐसी सेवानिवृत्ति पर जो उपनियम (1) में परावर्तित है, यथास्थिति अध्यक्ष या उपाध्यक्ष या सदस्य —

(1) उसको लागू सेवानिवृत्ति नियमों के अनुसार पगार और उपदान प्राप्त करने का हकदार होगा,

(2) अपनी उपाजित छुट्टी अग्रणी करने के लिए अनुमान नहीं किया जाएगा किन्तु अपनी सेवानिवृत्ति के पूर्व उगको लागू नियमों के अनुसार छुट्टी वेतन यदि हाई है तो तब तक रकम प्राप्त करने का हकदार होगा,

(3) समझौता आयोग में अपनी पदावधि की समाप्ति पर यथास्थिति अध्यक्ष/उपाध्यक्ष या सदस्य अपने जाने से जमा उपाजित छुट्टी की बाबत छुट्टी वेतन के बराबर नकद रकम इस शर्त के अधीन प्राप्त करने का हकदार होगा कि इस उपनियम के अधीन और पूर्व सेवा में पेशान्वृत्ति के समय अधिकतम नजदीकरण छुट्टी कुल मिलाकर किसी भी दशा में 240 दिनों से अधिक नहीं होगी।

6. -ग अस्थायी उपबंध

नियम 6 के उपनियम (2) में किसी बात के होने हुए भी समझौता आयोग (आय-कर/धन-कर) (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें) सशोधन नियम, 1992 के प्रवृत्त होने की तारीख को उपाध्यक्ष और सदस्य के पद धारण करने वाले व्यक्तियों में से यदि किसी को अपनी पदावधि के शेष भाग के लिए आयोग में किसी उच्चतर पद पर नियुक्त किया जाता है तो यह 60 वर्ष की आयु से परे अपने पद पर बने रहने के लिए ऐसे हकदार होगा मानो समझौता आयोग (आय-कर/धन-कर) (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें) सशोधन नियम, 1992 नहीं बनाए गए थे।

[म 17/92 (फा म 21/14/92-एच आई सी )]

ए. के मिश्रा, डैस्क अधिकारी

स्पष्टीकारक जापन

केन्द्रीय सरकार ने समझौता आयोग (आय-कर/धन-कर) (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें) नियम, 1977 का सशोधन करने का विनिश्चय किया है।

2 यह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिसूचना का भावी प्रभाव होगा और इससे समझौता आयोग के पहले ही कार्यरत अध्यक्ष उपाध्यक्ष और सदस्यों की वर्तमान सेवानिवृत्ति पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पाठ टिप्पणी - मूल नियम भारत के राजपत्र में सा का नि म. 837 तारीख 4 जून 1977 द्वारा प्रकाशित किए गए थे

और बाद में उनका निम्नलिखित द्वारा सशोधन किया गया था —

(1) में सा का नि 5 तारीख 12-12-1978

(2) में सा का नि 322 तारीख 29-2-1980

(3) में सा का नि 1176 तारीख 15-11-1980

(4) में सा का नि 133 तारीख 7-3-1987।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 19th October, 1992

G.S.R. 813(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India the President hereby makes the following rules further to amend the Settlement Commission (Income-tax|Wealth-tax) (Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairmen and Members) Rules, 1977, namely :—

1. (1) These rules may be called the Settlement Commission (Income-tax|Wealth-tax) (Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairmen and Members) Amendment Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2 In the Settlement Commission (Income-tax|Wealth-tax) (Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairmen and Members) Rules, 1977, (hereinafter referred to as the said rules)—

(a) the existing rule 6 shall be renumbered as sub-rule (1) of that rule;

(b) after sub-rule (1) as so renumbered, the following sub-rule shall be inserted, namely —

“(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), a person appointed as Chairman or a Vice Chairman or a Member, after the commencement of the Settlement Commission (Income-tax|Wealth-tax) (Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairmen and Members) Amendment Rules, 1992, shall hold office for a maximum period of 5 years in one or more posts of the Commission or till he attains the age of 60 years, whichever is earlier”.

3 (a) The existing rule 6A shall be renumbered as sub-rule (1) of that rule;

(b) After sub-rule (1) as so renumbered, the following sub-rule shall be inserted namely —

“(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), a person appointed as Chairman or Vice-Chairman or a Member, after the commencement of the Settlement Commission (Income-tax|Wealth-tax) (Conditions of Service of Chairman Vice-Chairmen and Members) Amendment Rules, 1992, shall be entitled to contribute towards the contributory Provident Fund Account under the contributory Provident Fund Rules (India),

1962, subject to such conditions as are applicable to re-employed Central Government servants"

4. In the said rules after rule 6A, the following rules shall be inserted, namely :—

"6B Retirement from parent service on appointment as Chairman or Vice-Chairman or Member;

- (1) Where, after the date of commencement of Settlement Commission (Income-tax|Wealth-tax) (Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairmen and Members) Amendment Rules, 1992, the Chairman or a Vice-Chairman or a Member who, on the date of his appointment to the Commission, was in service under the Central Government, he shall seek retirement from such service before his joining the Commission, and shall be deemed to have so retired on the date of his joining the Commission.
- (2) On such retirement as is provided in sub-rule (1), the Chairman or Vice-Chairman or a Member as the case may be :—
  - (i) shall be entitled to receive pension and gratuity in accordance with the retirement rules applicable to him;
  - (ii) shall not be allowed to carry forward his earned leave but shall be entitled to receive cash equivalent of leave salary, if any, in accordance with the rules applicable to him prior to his retirement;
  - (iii) on the expiry of the term of his office in the Settlement Commission, the Chairman, Vice-Chairman or a Member as the case may be, shall be entitled to receive cash equivalent of leave salary in respect of the earned leave standing to his credit subject to the condition that the maximum of leave encashed under this sub-rule and at the time of retirement from

previous service, taking together, shall not in any case exceed 240 days.

6C. Temporary Provision. —Notwithstanding anything contained in sub-rule (2) of rule 6, the persons holding the posts of Vice-Chairman and Member on the date of coming into force of the Settlement Commission (Income-tax|Wealth-tax) (Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairmen and Members) Amendment Rules, 1992 shall be entitled to continue beyond the age of 60 years if any one of them is appointed to a higher post in the Commission for the remaining part of their term as if the Settlement Commission (Income-tax|Wealth-tax) (Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairmen and Members) Amendment Rules, 1992 had not been made".

[No. 17/92 (F. No. 21/14/92-Ad. IC)]

A. K. SINHA, Desk Officer

#### EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government have decided to amend the Settlement Commission (IT|WT) (Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairmen and Members) Rules, 1977.

2. It is certified that this notification would have prospective effect and would not adversely affect the present tenure of the Chairman, Vice-Chairmen and Members of the Settlement Commission already in position.

Footnote . The Principal Rules were published vide No. G.S.R. 837 dated the 4th June, 1977 in the Gazette of India and subsequently amended vide

- (i) No. G.S.R. 5 dated 12-12-78
- (ii) No. G.S.R. 322 dated 29-2-80
- (iii) No. G.S.R. 1176 dated 15-11-80
- (iv) No G.S.R. 133 dated 7-3-87.

